ISO 9001:2015 CERTIFIED

॥ हर हर महादेव ॥

मासिक पत्रिका

हमारा देश हमारा अभिमान

अंक 02 , वर्ष 05, फरवरी 2026 कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए

नवग्रह मंदिर

90 फीट ऊंचा शिखर, 13.75 एकड़ में फैला

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और शानदार नवग्रह मंदिर ग्वालियर जिले के डबरा शहर में बनकर तैयार

डबरा में आस्था का महाशिखरः 90 फीट ऊंचा नवग्रह मंदिर बना मध्य प्रदेश की नई धार्मिक पहचान

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले का डबरा नगर अब तक अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन अब यह नगर प्रदेश के धार्मिक और आध्यात्मिक मानचित्र पर भी एक नए और महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। डबरा की पावन भूमि पर निर्मित मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा नवग्रह मंदिर अब पूरी तरह बनकर तैयार हो चुका है। लगभग 13.75 एकड़ में फैला यह विशाल मंदिर परिसर और इसका 90 फीट ऊंचा भव्य शिखर न केवल स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि यह आस्था, विश्वास और ज्योतिषीय मान्यताओं का भी प्रतीक बनता जा रहा है। मंदिर के निर्माण के साथ ही डबरा को एक नई धार्मिक पहचान मिलने लगी है और क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। यह नवग्रह मंदिर अपनी अवधारणा में भी अत्यंत विशेष और अनूठा है। मंदिर में सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु—सभी नौ ग्रहों की अलग-अलग, विधिवत और शास्त्रसम्मत स्थापना की गई है। प्रत्येक ग्रह के लिए अलग वेदी, पूजन स्थल और परिक्रमा मार्ग बनाया गया है, ताकि श्रद्धालु पूर्ण श्रद्धा और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर सकें। मंदिर की संरचना इस प्रकार से की गई है कि दर्शन करने वाला व्यक्ति एक क्रम में सभी नवग्रहों के दर्शन करता हुआ आगे बढ़े और उसे आध्यात्मिक संतुलन और मानसिक शांति का अनुभव हो। मंदिर का 90 फीट ऊंचा शिखर इसकी भव्यता का सबसे बड़ा प्रतीक है। यह शिखर पारंपरिक नागर स्थापत्य शैली में निर्मित किया गया है, जिसमें आधुनिक निर्माण तकनीकों और कलात्मक सौंदर्य का भी समावेश किया गया है। दूर से ही यह शिखर श्रद्धालुओं और राहगीरों का ध्यान आकर्षित करता है और डबरा की पहचान बनता जा रहा है। दिन के उजाले में जहां इसकी भव्य आकृति मन को मोहित करती है, वहीं रात के समय की जाने वाली विशेष लाइटिंग मंदिर को अलौकिक आभा प्रदान करती है। रोशनी से नहाया हुआ शिखर ऐसा प्रतीत होता है मानो आस्था का प्रकाश पूरे क्षेत्र में फैल रहा हो। करीब 13.75 एकड़ में विकसित यह मंदिर परिसर केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक संपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। परिसर में विशाल प्रांगण, ध्यान केंद्र, यज्ञशाला, सुव्यवस्थित परिक्रमा पथ, आकर्षक जल संरचनाएं और हरित क्षेत्र शामिल हैं। शांत वातावरण और खुला परिसर श्रद्धालुओं को ध्यान, साधना और आत्मचिंतन के लिए उपयुक्त स्थान प्रदान करता है। यहां बैठने, विश्राम करने और दर्शन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नवग्रह मंदिर को ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मान्यताओं के अनुसार नवग्रहों का मानव जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है और ग्रहों की अनुकूलता या प्रतिकूलता व्यक्ति

के सुख-दुख, उन्नति और बाधाओं से जुड़ी होती है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना, जप और अनुष्ठान करने से ग्रह दोष, कालसर्प दोष और अन्य ज्योतिषीय बाधाओं से राहत मिल सकती है। इसी कारण यह मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि नवग्रह शक्तिपीठ के रूप में भी देखा जा रहा है, जहां लोग अपने जीवन की समस्याओं के समाधान और सकारात्मक ऊर्जा की कामना लेकर पहुंचेंगे। इस भव्य मंदिर के निर्माण से डबरा और पूरे ग्वालियर अंचल में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं, ज्योतिष में आस्था रखने वाले लोगों और पर्यटकों के यहां आने की संभावना जताई जा रही है। इससे स्थानीय व्यापार, होटल व्यवसाय, परिवहन, दुकानों और अन्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि यह मंदिर डबरा को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। मंदिर के निर्माण कार्य के पूर्ण होने के बाद अब सभी की निगाहें इसके भव्य उद्घाटन और प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पर टिकी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, निकट भविष्य में यहां विशाल धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर देशभर से संत-महात्मा, विद्वान आचार्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि डबरा के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में भी एक नया अध्याय जोड़ेगा। कुल मिलाकर, डबरा में निर्मित यह नवग्रह मंदिर आस्था, वास्तुकला, ज्योतिष और पर्यटन का ऐसा संगम बनकर उभर रहा है, जो आने वाले वर्षों में मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा और श्रद्धालुओं के लिए विश्वास और शांति का एक बड़ा केंद्र बनेगा।

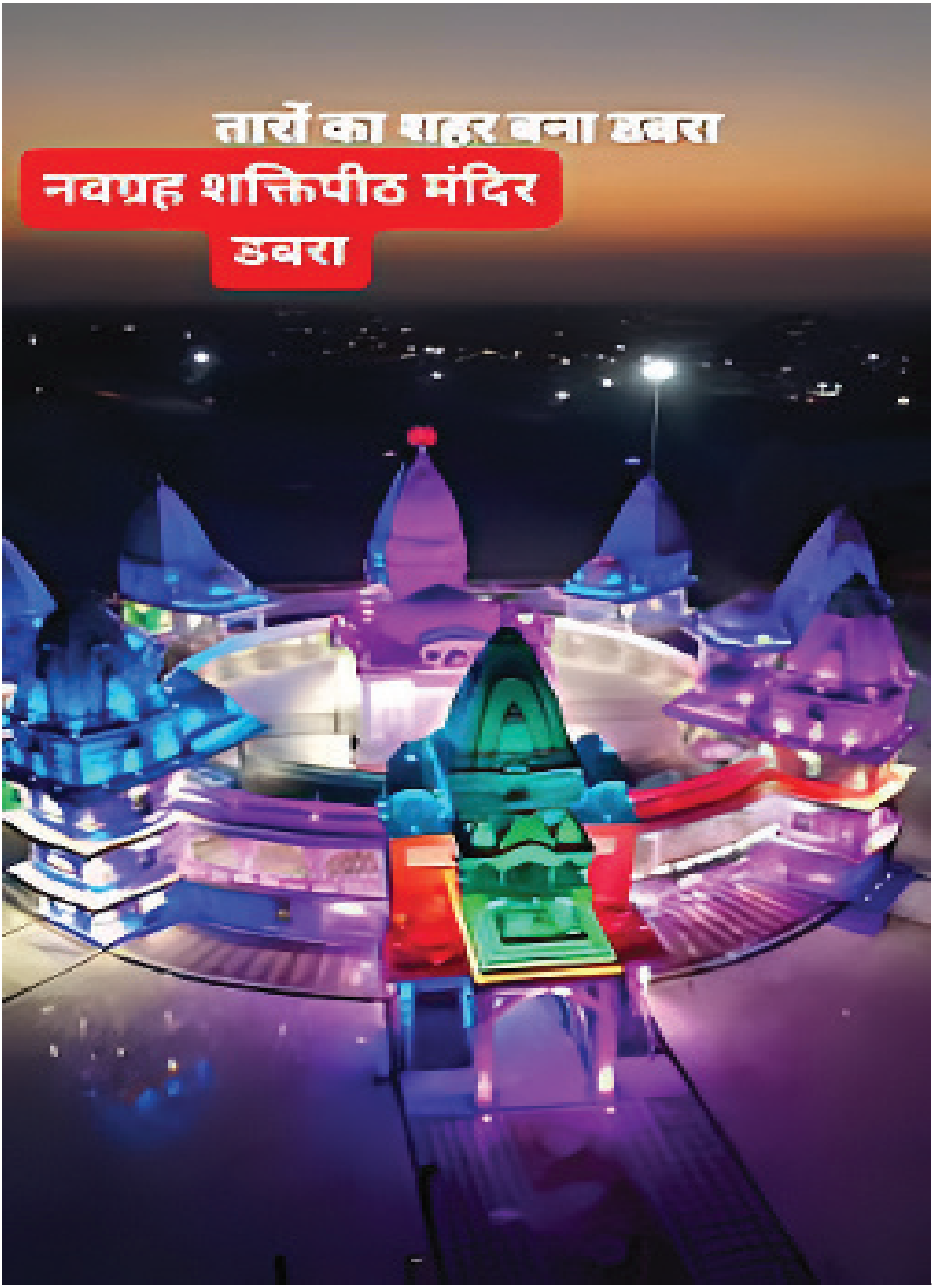
तारों का शहर बना उबरा
नवग्रह शक्तिपीठ मंदिर
उबरा

हमारा देश हमारा अभिमान

॥ हर हर महादेव ॥

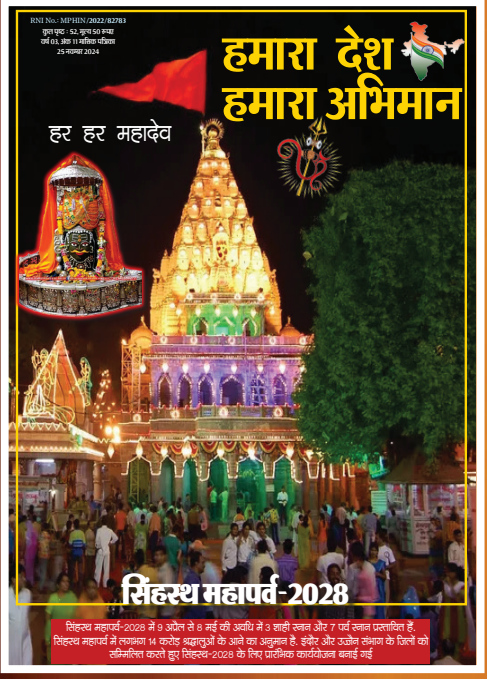

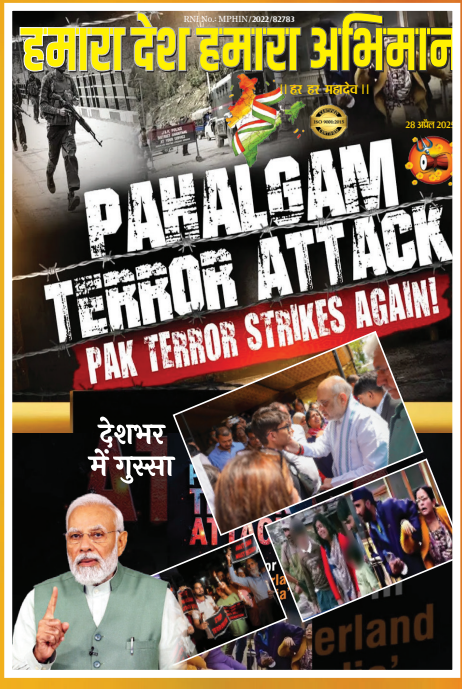

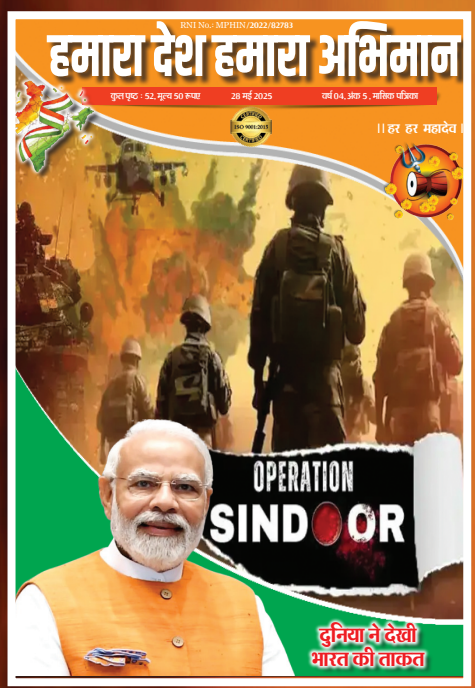

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें.....

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136